1. रूमा देवी के बारे में निम्न में से कौनसा कथन सही नहीं है–
(1) उन्हें हस्तशिल्प के क्षेत्र में जाना जाता है
(2) वे जसरापुर (खेतड़ी) गाँव में पली–बढ़ी
(3) उन्हें भारत के राष्ट्रपति द्वारा 2018 में नारी शक्ति पुरस्कार से सम्मानित किया गया
(4) उन्होंने हजारों महिलाओं को रोजगार बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाई

Ans. (2)

व्याख्याः– रूमा देवी का जन्म 1988 में राजस्थान के बाड़मेर जिले के रावतसर में हुआ। इन्हें हस्तशिल्प के क्षेत्र में जाना जाता है। इन्हें 2018 का नारी शक्ति पुरस्कार दिया गया। इन्होंने हजारों महिलाओ को रोजगार देकर महिला सशक्तिकरण में अहम भागीदारी निभाई।

2. बखनाजी, संतदास जी, जगन्नाथ दास और माधोदास नामक संतों का सम्बन्ध निम्नलिखित में से किस सम्प्रदाय के साथ था–
(1) दादू पंथ (2) लाल दासी संप्रदाय
(3) जसनाथी संप्रदाय (4) रामस्नेही संप्रदाय

Ans. (1)

व्याख्याः– बख्नाजी, संतदास जी, जगन्नाथ दास, माधोदास, रज्जब, सुंदरदास, गरीबदास और मिस्कीनदास आदि दादू के प्रसिद्ध शिष्य थे।

→ राजस्थान के कबीर कहे जाने वाले दादूदयाल का जन्म फाल्गुन शुक्त अष्टमी 1544 ईस्वी गुजरात में हुआ। इन्होंने राजस्थान में दादू पंथ सम्प्रदाय की स्थापना नरैना (जयपुर) में की।

→ लालदासी संप्रदाय के प्रवर्तक लालदास जी का जन्म अलवर के धौली दूब गाँव में श्रावण कृष्ण पंचमी 1504 ईस्वी में हुआ। लालदास जी के गुरू फकीर गद्दनचिश्ती थे।

→ रामस्नेही संप्रदाय की स्थापना संत रामचरण जी ने शाहपुरा (भीलवाड़ा) में की। रामचरण जी के उपदेश 'अणभे वाणी' ग्रंथ में संकलित है।

→ जसनाथी संप्रदाय की स्थापना संत जसनाथ जी ने कतरियासर बीकानेर में की।

→ जसनाथ जी ने गोरखमालिया नामक स्थान पर 12 वर्ष तक तपस्या की।

3. सूची -I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (त्यौहार)
(A) बूंदी की कजली तीज
(B) होली
(C) पर्युषण पर्व
(D) गणगौर

सूची-II (उत्सव की तिथि/माह)
(i) भाद्रपद कृष्ण तृतीया (ii) फाल्गुन की पूर्णिमा
(iii) भाद्रपद माह (iv) चैत्र माह
(1) A-i, B-ii, C-iv, D-iii (2) A-i, B-ii, C-iii, D-iv
(3) A-iii, B-iv, C-i, D-ii (4) A-iv, B-iii, C-ii, D-i

Ans. (2)

व्याख्याः– बूंदी की कजली तीज – भाद्रपद कृष्ण तृतीया
होली – फाल्गुन पूर्णिमा
पर्युषण पर्व – भाद्रपद माह
गणगौर – चैत्र माह

→ राजस्थान में तीज का त्यौहार जयपुर की प्रसिद्ध है। छोटी तीज श्रावण शुक्ल तृतीया को मनाई जाती है।

→ कोड़मार होली भिनाय अजमेर की प्रसिद्ध है एवं लट्ठमार होली श्री महावीर जी करौली की प्रसिद्ध है।

→ पर्युषण पर्व जैन धर्म का पर्व है।

→ गणगौर के अवसर पर शिव एवं पार्वती की पूजा की जाती है। चैत्र कृष्ण प्रतिपदा से चैत्र शुक्ल तृतीया तक मनाया जाने वाला त्यौहार है।

4. निम्नलिखित में से कौन–कौन से सिद्धान्त जैन धर्म से सम्बन्धित है–
(i) अनेकान्तवाद
(ii) सर्वस्तिवाद
(iii) शून्यवाद
(iv) स्यावाद
नीचे दिये गये कूट का उपयोग कर सही उत्तर को चुनिये–
(1) i व iv (2) ii व iv
(3) i, ii व iii (4) ii व iii

Ans. (1)

व्याख्याः– अनेकान्तवाद एवं स्यावाद जैन धर्म से तथा शून्यवाद एवं सर्वस्तिवाद बौध धर्म से सम्बन्धित है। अनेकान्तवाद एवं स्यावाद जैन दर्शन के मूल आधार है। अनेकान्तवाद की मान्यता है कि भिन्न–भिन्न दृष्टिकोण से देखने पर सत्य और वास्तविकता भी अलग–अलग समझ आती है। जैन धर्म का दूसरा सिद्धान्त स्यावाद है, यह जैन धर्म का सापेक्षिता का सिद्धान्त है।

5. राजस्थान के रीति–रिवाजों में 'आंणौ' क्या है–
(1) कुँआ पूजन
(2) दुल्हन के परिवार द्वारा वर की बारात का डेरा देखने जाना
(3) विवाह के पश्चात दुल्हन को दूसरी बार ससुराल भेजना
(4) जलझूलनी की एकादशी पूजा

Ans. (3)

व्याख्याः– राजस्थान के रीति–रिवाजों में 'आंणों' विवाह के पश्चात् दुल्हन को दूसरी बार ससुराल भेजने से है।

→ झलझूलनी एकादशी भाद्रपद महीने के शुक्ल पक्ष की एकादशी को मनाई जाती है।

6. सूची -I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I

(A) हावड़ा षड़यंत्र केस (B) लाहौर षड़यंत्र केस
(C) दिल्ली षड़यंत्र केस (D) अलीपुर षड़यंत्र केस

सूची-II

(i) मास्टर अमीचंद (अमीरचंद) (ii) अरविन्द घोष
(iii) जतिन्द्रनाथ मुखर्जी (iv) राजगुरू

(1) A-iv, B-iii, C-ii, D-i
(2) A-i, B-ii, C-iii, D-iv
(3) A-iii, B-iv, C-i, D-ii
(4) A-ii, B-iii, C-iv, D-i

Ans. (3)

व्याख्याः– हावड़ा षड़यंत्र केस 1910 में हुआ। अनुशीलन समिति के 47 भारतीय राष्ट्रवादियों को 29 जनवरी 1910 को हावड़ा षड़यंत्र केस में गिरफ्तार किया गया। इसमें जतिन्द्रनाथ मुखर्जी को एक–एक वर्ष की सजा सुनाई गई।

→ 17 दिसम्बर 1928 को जॉन साण्डर्स, सहायक पुलिस अधीक्षक, जो लाहौर में लाठीचार्ज के लिए जिम्मेदार थे इनको भगतसिंह और राजगुरू ने गोली मार दी थी।

→ दिल्ली षड़यंत्र के स भारत के तात्कालीन रायसराय लॉर्ड होर्डिंग की हत्या करने के लिए रामबिहारी बोस, बसंत कुमार विश्वास, अमीरचंद और अवध बिहारी के द्वारा 1912 में किया गया।

→ अलीपुर षड़यंत्र केस 1908 में अरविन्द घोष के नेतृत्व मं किया गया था।

7. विधवा पुर्नविवाह को प्रोत्साजित करने के उद्देश्य से 1871 ई. में राजमुन्द्री सोशल रिफॉर्म एसोसिएशन स्थापित किया गया था–

(1) वीरेशलिंगम (2) के. रामकृष्ण पिल्लई
(3) के.टी. तेलंग द्वारा (4) गोपालाचारियार द्वारा

Ans. (1)

व्याख्याः– वीरेशालिंगम विधवा पुर्नविवाह को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 1878 ईस्वी में राजमुंदरी सोशल रिफॉर्म एसोसिऐशन की स्थापना की गई थी।

→ रामकृष्ण पिल्लै का भारत के एक राष्ट्रवादी लेखक, पत्रकाल और राजीनतिक कार्यकर्त्ता थें इन्होंने स्वदेशाविभानी नामक समाचार पत्र का संपादन किया।

8. इंडियान इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की स्थापना बैंगलोर में कब और किनके प्रयासों से हुई–

(1) 1917, प्रफुल्ल चंद राय (2) 1930, जे.सी. बोस
(3) 1909, जमशेदजी टाटा (4) 1911, मेघानंद साहा

Ans. (3)

व्याख्याः– सन् 1909 में जमशेद जी टाटा के प्रयासों द्वारा इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस की स्थापना बैंगलोर में की गई। यह भारत का वैज्ञानिक अनुसंधान और उच्च शिक्षा के लिए अग्रणी शिक्षा संस्थान है। भारतीय विज्ञान संस्थान बैंगलुरू की गणना भारत के उत्कृष्टतम संस्थानों में होती है।

→ जे.सी. बोस को रेडियो विज्ञान का पिता माना जाता है।

→ मेघनाद साहा एक भारतीय खगोल भौतिक वैज्ञानिक थे जिन्होंने थर्मल आयनीकरण के सिद्धान्त को विकसित करने में मदद की।

→ प्रफुल्ल चंद्र राय को भारत में रसायन उद्योग की नींव डालने का श्रेय दिया जाता है।

9. उस क्रांतिकारी महिला का नाम बताइये जिसने बिजौलिया किसान आन्दोलन में भाग लिया और उसे गिरफ्तार किया गया तथा 1930 के सत्याग्रह और 1932 के सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भाग लिया और जेल गई–

(1) रमा देवी (2) रतन शास्त्री
(3) अंजना देवी चौधरी (4) किशोरी देवी

Ans. (1)

व्याख्याः– रमादेवी ने 1931 में बिजौलिया किसान आंदोलन में भाग लिया जहाँ उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। उन्होंने 1930 व 1932 में सत्याग्रह एवं सविनय अवज्ञा आन्दोलन में भी भाग लिया और जेल गई।

→ 1934 का 'कटराथल महिला सम्मेलन' की अध्यक्षता किशोरी देवी ने की।

→ हीरालाल शास्त्री की पत्नि रत्ना शास्त्री ने जयपुर प्रजामण्डल के सत्याग्रह आन्दोलन में सक्रिय रूप से भाग लिया। रत्ना शास्त्री को 1955 में पद्मश्री एवं 1975 में पद्मभूषण से सम्मानित किया गया।

10. सूची -I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (तीर्थकर)	**सूची-II (उनके संज्ञान)**
(A) पार्श्वनाथ	(i) वृषभ
(B) आदिनाथ	(ii) शेर
(C) महावीर	(iii) सर्प
(D) शांतिनाथ	(iv) हिरण

(1) A-ii, B-iii, C-iv, D-i (2) A-iv, B-iii, C-ii, D-i
(3) A-i, B-ii, C-iii, D-iv (4) A-iii, B-i, C-ii, D-iv

Ans. (4)

व्याख्याः–

तीर्थकर	**प्रतीक चिन्ह**
पार्श्वनाथ	सर्प
आदिनाथ (ऋषभदेव)	वृषभ
महावीर	सिंह
शांतिनाथ	हिरण
ऋषभदेव	सांड (वृषभ)
अजीतनाथ	हाथी

→ जैन धर्म के प्रथम तीर्थकर ऋषभदेव/आदिनाथ थे जबकि 24 वें तीर्थकर महावीर स्वामी थे।

11. जोधपुर नरेश मानसिंह की रानी भटियाणी प्रतापकुँवरी ने अपने द्वारा बनाये गये मंदिर को पुनः अन्यत्र बनवाया, क्योंकि पहले वाला मंदिर जमीन में धंस गया था, और उसने उसकी प्राण प्रतिष्ठा 1857 में कराई। उस मंदिर का नाम है–
(1) कुंज बिहारी मंदिर (2) महामंदिर
(3) घनश्यामजी का मंदिर (4) तीजा मांजी का मंदिर

Ans. (4)

व्याख्याः– जोधपुर नरेश मानसिंह की रानी भटियाणी प्रताप कुँवरी ने अपने द्वारा बनाये गये मंदिर को पुनः अन्यत्र बनवाया क्योंकि पहले वाला मंदिर जमीन में धंस गया था और उसने उसकी प्राण प्रतिष्ठा 1857 में करवाई जो तीजा माँजी का मंदिर है।

→ जोधपुर के शासन मानसिंह के गुरू आयसदेव नाथ थे। मानसिंह के शासक बनने की भविष्यवाणी आयसदेव नाथ ने ही की थी। मानसिंह ने नाथ संप्रदाय के महामंदिर का निर्माण कराया।

→ कुंजबिहारी मंदिर जोधपुर जिले में स्थित है।

→ घनश्याम मंदिर भी जोधपुर जिले में स्थित है।

12. मौर्य कालीन मूर्तियों में, मणिभद्र (यक्ष) नाम से अंकित मूर्ति किस स्थान से प्राप्त हुई है–
(1) झींग-का-नागरा (2) नोह ग्राम
(3) बेसनगर (4) परखम

Ans. (4)

व्याख्याः– मथुरा के परखम से मौर्यकाल मणिभद्र (यक्ष) की मूर्ति प्राप्त हुई। इस मूर्ति की पीठ पर ब्राह्मी लिपि का प्रयोग किया गया है। यह ग्वालियर के गुजरी संग्रहालय में रखी गई है।

→ मौर्यकाल में कला के दो रूप मिलते हैं। एक तो राजतक्षकों द्वारा निर्मित कला जो कि मौर्य प्रसाद और अशोक स्तंभों में पाई जाती है। दूसरा वह रूप जो परखम के यक्ष, दीदारगंज की चामर ग्राहिणी और बेसनगर की यक्षिणी में देखने को मिलता है, इसे लोककला कहा जा सकता है।

13. भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान, कनकलता बरूआ नामक एक कन्या ने जनता का एक जुलूस निकाला और पुलिस की परवाह ना करते हुए थाने में घुसने के प्रयास में गोली खाई। यह घटना किस स्थान की है–
(1) सोनितपुर (2) मिदनापुर
(3) कोरापुर (4) गोहपुर

Ans. (4)

व्याख्याः– भारत छोड़ो आन्दोलन के दौरान, कनकलता बरूआ नामक एक कन्या ने जनता का एक जुलूस निकाला और पुलिस की परवाह ना करते हुए थाने में घुसने के प्रयास में गोली खाई। यह घटना गोहपुर की है। कलकत्ता बरूआ का जन्म 22 दिसम्बर 1924 को असम में हुआ था। उन्हें 'बीरबाला' भी कहते हैं।

14. निम्नलिखित में से कौनसा एक युग्म सही सुमेलित नहीं है–

पुस्तकें		**लेखक**
(A) नेह तरंग	–	सवाई प्रताप सिंह
(B) नागदमण	–	सांयाजी झूला
(C) रणमल छन्द	–	श्रीधर व्यास
(D) भाषा भूषण	–	महाराजा जसवंत सिंह

(1) A (2) C
(3) B (4) D

Ans. (1)

व्याख्याः– 'नेहतरंग' पुस्तक के लेखक राव राजा बुद्ध सिंह थे।

→ 'नागदमण' के लेखक सायाजीझूला 'रणमल्ल छंद' के लेखक श्रीधर व्यास तथा 'भाषाभूषण' के लेखक महाराजा जसवंत सिंह थे।

→ जयपुर के शासक प्रतापसिंह 'ब्रजनिधि' के नाम से रचना लिखते थे।

→ बूंदी नरेश बुद्ध सिंह ब्रजभाषा के श्रेष्ठ कवि एवं उपासक थे। 'नेहतरंग' ग्रंथ बुद्ध सिंह द्वारा रचित है।

15. सूची -I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I	**सूची-II**
(A) व्रीहि	(i) गन्ना
(B) मुद्ग	(ii) चावल
(C) यव	(iii) मूंग
(D) इक्षु	(iv) जौ

(1) A-i, B-ii, C-iii, D-iv (2) A-iv, B-iii, C-ii, D-i
(3) A-iii, B-iv, C-i, D-ii (4) A-ii, B-iii, C-iv, D-i

Ans. (4)

व्याख्याः– उत्तरवैदिक काल में महत्वपूर्ण फसलों के निम्न नाम से जाना जाता था–

व्रीहि/तंदुल	–	चावल
मुद्ग	–	मूँग
यव	–	जौ
इक्षु	–	गन्ना
गोधूम	–	गेहूँ
शारिशाका	–	सरसों
माष	–	उड़द

नोटः– उत्तरवैदिक काल में हल के लिये 'सीर' तथा गोबर की खाद के लिये 'करीश' शब्द का प्रयोग हुआ है।

16. बयाना दुर्ग स्थित वरिक विष्णुवर्धन विजय स्तम्भ किस काल का माना जाता है–
(1) सल्तनत काल का (2) मुगल काल का
(3) मौर्य काल का (4) गुप्त काल का

Ans. (4)

व्याख्याः– बयाना दुर्ग स्थित वारिक विष्णुवर्धन विजयस्तंभ गुप्तकाल का है।

→ राजा विष्णुवर्धन द्वारा पुण्डरिक यज्ञ के समापन के पश्चात् इस विजयस्तम्भ को बनाया गया था। यह स्तंभ लाल बलुए पत्थर से निर्मित एकाश्मक स्तंभ है।

17. आहड़ सभ्यता के बारे में निम्न कथनों पर विचार कीजिये–
(A) आहड़वासी तांबा गलाना जानते थे
(B) ये लोग चावल से परिचित नहीं थे
(C) धातु का काम आहड़वासियों की अर्थव्यवस्था का एक साधन था
(D) यहाँ से काले – लाल रंग मदभाण्ड मिले हैं, जिन पर सामान्यतः सफेद रंग से ज्यामितिय आकृतियाँ उकेरी गई है।

सही विकल्प का चयन कीजिये–
(1) A, C व D सही है (2) A व B सही है
(3) A, B व C सही है (4) C व D सही है

Ans. (1)

व्याख्याः– आहड़ सभ्यता (संस्कृति) एक ताम्र पुरापाषाणिक संस्कृति है जो दक्षिण–पूर्व राजस्थान में आहड़ नदी के तट पर ईस्वी पूर्व 2500 से ईस्वी पूर्व 1500 तक फली–फूली। यह लगभग सिंधु सभ्यता की समीवर्ती रही है। इसे बनास संस्कृति भी कहते हैं।

→ आहड़वासी ताँबा गलाना जानते थे। धातु का काम इनके अर्थव्यवस्था का एक साधन था। यहाँ से काले–लाल रंग के मृदभाण्ड मिले हैं, जिन पर सामान्यतः सफेद रंग से ज्यामितिय आकृतियाँ उकेरी गई है। आहड़ संस्कृति के लोग मूलतः कृषक एवं पशुपालक थे। वे गेहूँ, जौ, धान, चना, मूंग आदि की खेती करने तथा गाय–बैल, भेड़, बकरी, सूअर, भैंस आदि पशुओं को पालते थे।

18. सेन्ट्रल इलेक्ट्रोकेमीकल रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना अलगप्पा चेटियार डॉ. शांति स्वरूप भटनागर एवं पं. जवाहर लाल नेहरू के प्रयासों से कहाँ और कब की गई–
(1) लखनऊ, 1951 (2) कराईकुड़ी, 1953
(3) चेन्नई, 1948 (4) शिवगंगा 1953

Ans. (2)

व्याख्याः– सेंट्रल इलेक्ट्रोकेमिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट की स्थापना अलगप्पा चेटियार , डॉ शान्ति स्वरूप भटनागर एंव पण्डित जवाहरलाल नेहरू के प्रयासों से कराईकुड़ी में सन् 1953 में की गई थी।

→ सेंट्रल इलेक्ट्रोकेमीकल रिसर्च इंस्टीट्यूट, औद्योगिक अनुसंधन परिषद के तत्वाधान में संचालित चालीस राष्ट्रीय प्रयोगशालाओं की श्रृंखला में से एक है। इसे विद्युत रसायन प्रौद्योगिकी में अनुसंधान और विकास हेतु प्रमुख संस्थान के रूप में मान्यता दी गई है।

19. 'टोटी' आभूषण शरीर के किस हिस्से में पहना जाता है–
(1) नाक (2) हाथ (3) कटि (4) कान

Ans. (4)

व्याख्याः– टोटी आभूषण राजस्थानी महिलाओं द्वारा कान मं पहना जाता है। कान के अन्य आभूषण– कर्णफूल, पीपलपत्रा, अंगोट्या, झेला, लटकन, फूलझुमका आदि।

→ नाक के प्रमुख आभूषणों में– नथ, बेसरी, बारी, भोगली, कांटा, चनी, चौंप, भँवरकड़ी आदि।

→ हाथ के प्रमुख आभूषण– हथपान, तामणा, बीटी आदि।

→ कमर के प्रमुख आभूषण– कंदौरा, कंदौरी, करघनी, कणगावली आदि।

20. सूची -I एवं सूची-II को सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गये कूट में से सही उत्तर चुनिये–

सूची-I	सूची-II
(A) गागरोण का युद्ध	(i) 1519 ई.
(B) सारंगपुर का युद्ध	(ii) 1544 ई.
(C) सुमेल का युद्ध	(iii) 1437 ई.
(D) साहेबा का युद्ध	(iv) 1541-42 ई.

(1) A-i, B-ii, C-iii, D-iv (2) A-i, B-iii, C-ii, D-iv
(3) A-ii, B-iii, C-iv, D-i (4) A-iv, B-iii, C-ii, D-i

Ans. (2)

व्याख्याः–

सूची-I	सूची-I
गागरोन का युद्ध	1519
सारंगपुर का युद्ध	1437
गिरि सुमेल का युद्ध	1544
पाहेवा–साहेवा का युद्ध	1541-42

→ साहेबा का युद्ध राव जैतसी एवं मालदेव के मध्य हुआ।

→ गिरि सुमेल का युद्ध शेरशाह एवं मालदेव के मध्य हुआ।

→ गागरोन का युद्ध राणा सांगा एवं महमूद खिलजी-I के मध्य हुआ।

→ सारंगपुर का युद्ध कुंभा एवं महमूद खिलजी के मध्य हुआ।

21. राजस्थान में कहाँ, 'वैदिक यंत्रालय' छापाखाना स्थापित किया गया था–
(1) जोधपुर (2) उदयपुर (3) अजमेर (4) जयपुर

Ans. (3)

व्याख्याः– 'वैदिक मंत्रालय' छापाखाना (प्रिंटिंग प्रेस) राजस्थान के अजमेर में स्थापित किया गया था। आजादी से पहले यहाँ से आर्य समाज से जुड़े कई महत्वपूर्ण पत्रों को निकाला जाता था। इस छापाखाने ने आर्य समाज के संदेशों और विचारों को समाज तक पहुँचाने में अमूल्य योगदान दिया।

→ जयपुर के पोथीखाना संग्रहालय की स्थापना महाराजा सवाई जयसिंह द्वितीय ने की थी।

→ उदयपुर के शासक जगतसिंह ने 'चितेरो की ओवरी' नाम से एक चित्रशाला बनवाई जिसे 'तस्वीरा रो कारखाना' कहा जाता है।

→ जोधुपर के महाराजा मानसिंह ने 'पुस्तक प्रकाश संग्रहालय' की स्थापना की।